श्री अरुण शौरी

देश के सुप्रसिद्ध लेखक, पत्रकार, स्तंभकार और राजनेता श्री अरुण शौरी किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। विश्व बैंक के अर्थशास्त्री, योजना आयोग के सलाहकार तथा इंडियन एक्सप्रेस के प्रखर सम्पादक के रूप में उनकी भूमिकाओं से हर कोई परिचित है।

सन् 1941 में जालंधर में जन्में श्री शौरी ने दिल्ली के सेंट स्टीफेन्स कॉलेज से स्नातक होने के उपरांत अमेरिका के सायरेक्यूस विश्वविद्यालय से डाक्टरेट की उपाधि ग्रहण की। श्री अरुण शौरी उपभोक्ता अधिकार कार्यकर्ता एच.डी. शौरी के सुपुत्र हैं।

इंडियन एक्सप्रेस का संपादन करते हुये श्री शौरी ने भ्रष्टाचार के कई बड़े मामलों को उजागर किया। उनका कृतित्व पत्रकारिता के नवागतों के लिये प्रेरणा स्तंभ है। 1981 में महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री ए.आर. अंतुले के शासन में चल रही गड़बड़ियों को आपने बेबाकी से उजागर किया, जिसके कारण अंतुले को इस्तीफा देने को विवश होना पड़ा था। इस घटना को देश के पत्रकारी इतिहास में भारतीय वाटरगेट के नाम से याद किया जाता है।

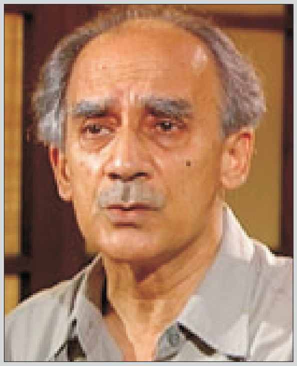

सन् 1982 से 1986 के मध्य श्री शौरी ने कई समाचार-पत्रों एवं पत्रिकाओं के लिये स्तंभ लेखन कर पत्रकारिता के उच्च मानदंड स्थापित किये। इसी मध्य वे पीपुल्स फॉर सिविल लिबर्टीज के जनरल सेक्रेटरी भी रहे। 1986 में आप टाइम्स ऑफ इंडिया के एक्जीक्यूटिव एडिटर के पद पर नियुक्त हुये परन्तु 1987 में श्री गोयनका के प्रयासों से आपने पुनः इंडियन एक्सप्रेस में आना स्वीकार किया।

श्री शौरी प्रेस की स्वतंत्रता के प्रबल पक्षधर हैं। आपने जिस इच्छाशक्ति से 1988 में सरकार द्वारा प्रस्तावित मानहानि विधेयक का विरोध किया वह भारतीय प्रेस के इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है।

श्री शौरी राज्य सभा सदस्य और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री भी रहे। फरवरी 2004 में देश के 100 प्रमुख सीईओ ने इन्हें सर्वश्रेष्ठ मंत्री नामांकित किया था।

अपनी प्रबल, निष्पक्ष, धारदार लेखनी और व्यक्तित्व के कारण श्री शौरी को कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है।

वर्शिपिंग फॉल्स गाड्स, इन ए सैक्यूलर एजेन्डा तथा एमिनेंट हिस्टोरियंस : देयर टेक्नालॉजी, देयर लाइन, देयर फ्राड, मिशनरीज इन इंडिया, द वर्ल्ड फतवा जैसी कई चर्चित पुस्तकों के लेखक श्री शौरी को पद्मभूषण, मैग्सेसे पुरस्कार, दादाभाई नौरोजी सम्मान, एस्टर अवार्ड, के.एस. हेगड़े सम्मान, इंटरनेशनल एडीटर ऑफ द इयर सम्मान और फ्रीडम टू पब्लिश सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है।